>

Title: Need to declare Shirdi parliamentary constituency in Maharashtra as a religious and tourist place of national importance.

श्री भाउसाहेब राजाराम वाकचौरे (शिरडी): महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले के अंतर्गत शिर्डी संसदीय क्षेत्र में श्री साई बाबा की शिर्डी एक पवित्र तीर्थ स्थल बन गया है तथा वहां देश के सभी प्रांतों से ही नहीं बल्कि विदेश से भी श्रद्धालु उनके दर्शन हेतु आते हैं। शिर्डी-नगरी में श्रद्धालुओं की संख्या प्रतिदिन बढ़ती जा रही है तथा उनके दर्शन हेतु आने वाले अमीर-गरीब सभी लोगों को किसी न किसी रूप में लाभ जरूर पहुंचता है। श्री साई बाबा के शिर्डी में आगमन के बाद शिर्डी जैसे छोटे गांव को पवित्र तीर्थ नगरी को अति विशेष महत्व प्राप्त हुआ है। देश में ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में श्री साई बाबा का पवित्र तीर्थ स्थल शिर्डी सभी वर्गों के लिए एक प्रमुख व महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

शिर्डी संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत तालुका अकोला के अंतर्गत अगस्त मुनि मंदिर, कोपरगांव तालुका में कछेश्वर मंदिर, श्रीरामपुर तालुका के अंतर्गत डोमेगांव में पंजाबी समुदाय के लोगों का महानुभाव चक्रधर स्वामी स्थल, राहता तालुका के अंतर्गत दक्षिण काशी (पुणताम्बे) में चांगदेव महाराज की समाधि, तालुका बैजापुर के बाबलगांव में दक्षिण भारतीय सुप्रसिद्ध संत चिदंबरम स्वामी जी की समाध्, तालुका नेवास में शनि सिंगनापुर व संत ज्ञानेश्वर मंदिर सहित अनेक अन्य प्रसिद्ध धाम भी है , जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना-जाना रहता है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह महाराष्ट्र राज्य के शिर्डी संसदीय क्षेत्र की पावन महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए पूरे शिर्डी संसदीय क्षेत्र को एक तीर्थ नगरी व केंद्रीय पर्यटन के रूप में विकसित किए जाने हेतु समुचित कदम उठाएं।